(1) जम्मू कश्मीर या लद्दाख के दरें :-

कराकोरम दर्रा➜

- ये भारत का सबसे ऊंचा दर्रा (5654 मी.) है ।
- ये लद्दाख क्षेत्र में स्थित है ।
- काराकोरम पर्वत श्रेणी में स्थित ।
- पाक अधिकृत कश्मीर तथा चीन को जोड़ता है

बुर्जिल दर्रा➜

- श्रीनगर को गिलगित से जोड़ता है
- इसकी ऊंचाई 4100 मी. है।

जोजिला दर्रा➜

- जॉस्कर पर्वत श्रेणी में स्थित
- कश्मीर घाटी को लेह से जोड़ता है
- इसकी ऊंचाई 3528 मी. है।
- इसका निर्माण सिंधु नदी द्वारा

पीरपंजाल दर्रा➜

- पीरपंजाल श्रेणी में स्थित
- इसकी ऊंचाई 3490 मी. है।
- कुलगांव से कोठी जाने का रास्ता ।

बनिहाल दर्रा➜

- पीरपंजाल पर्वत श्रेणी में स्थित ।
- जम्मू और श्रीनगर को जोड़ता है।
- जवाहर सुरंग इसी दर्रे में स्थित है ।
- इसकी ऊंचाई 2832 मी. है।

(2) उत्तराखंड के दर्रे :-

लिपुलेख दर्रा➜

- पिथौरागढ़ को तिब्बत से जोड़ता है
- इसकी ऊंचाई **5334** मी. है। कैलाश पर्वत व
- मानसरोवर जाने वाले यात्रियों का मार्ग|

माना दर्रा➜

- माणा गांव को तिब्बत से जोड़ता है ।
- इसकी ऊंचाई **5545** मी. है।

नीति दर्रा➜

- उत्तराखंड को तिब्बत से जोड़ता है
- इसकी ऊंचाई **5068** मी. है।

(3) सिक्किम के दर्रे :-

नाथूला दर्रा➜

- सिक्किम को चुम्भी घाटी से जोड़ता है
- इसकी ऊंचाई **4310** मी. है।

जोजेप्ला दर्रा➜

- सिक्किम को भूटान से जोड़ता है।
- इसकी ऊंचाई **4270** मी. है।
- तीस्ता नदी के द्वारा निर्माण।

(4) अरुणाचल प्रदेश के दर्रे :-

बोमडिला दर्रा➜

- तवांग को तिब्बत से जोड़ता है
- इसकी ऊंचाई **2217** मी. है।

यांगयाप दर्रा➜

- भारत और तिब्बत की सीमा पर स्थित|
- ब्रह्मपुत्र नदी का प्रवेश द्वार ।

दिफू दर्रा➜

- भारत-म्यांमार सीमा पर स्थित ।

(5) मणिपुर के दर्रे :-

तुजू दर्रा➜

- इंफाल से तामू व म्यांमार जाने का मार्ग ।

(6) हिमाचल प्रदेश के दर्रे :-

शिपकीला दर्रा➜

- शिमला से तिब्बत को जोड़ता है
- जॉस्कर पर्वत श्रेणी में स्थित ।
- इसकी ऊंचाई **4300** मी. है।
- सतलज नदी का प्रवेश द्वार

बड़ालाचाला दर्रा➜

- मंडी से लेह जाने का मार्ग
- जॉस्कर पर्वत श्रेणी में स्थित ।
- इसकी ऊंचाई **4843** मी. है।

रोहतांग दर्रा➜

- पीर पंजाल श्रेणी में स्थित ।
- मनाली को लेह से जोड़ता है।
- इसकी ऊंचाई **4620** मी. है।

(B) प्रायद्वीपीय पठार के दर्रे

(1) महाराष्ट्र के दर्रे :-

थालघाट दर्रा➜

- मुंबई को नासिक से जोड़ता है ।
- इसकी ऊंचाई **583** मी. है।

भोरघाट दर्रा➜

- मुंबई को पूणे तथा चेन्नई से जोड़ता है ।
- इसकी ऊंचाई **548** मी. है।
- मुंबई- पुणे- बेलगांव- चेन्नई रेल मार्ग व सड़क मार्ग|

(2) केरल के दर्रे :-

पालघाट दर्रा➜

- कोझिकोड व कोयंबटूर को जोड़ता है
- इसकी ऊंचाई **300** मी. है।
- अन्नामलाई व नीलगिरी की पहाड़ियों के बीच स्थित है।

शेनकोट्टा गैप➜

- तिरुवंतपुरम व मदुरै को जोड़ता है ।
- इलायची पहाड़ियों में स्थित ।
- इसकी ऊंचाई **210** मी. है।